Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to develop Gorakhpur in Uttar Pradesh as a tourist destination and also provide a special package for the purpose-Laid.

श्री रवि किशन (गोरखपुर): गोरखपुर पूर्वांचल का एक प्रमुख शहर है जो बिहार एंव नेपाल से सटा है। यहाँ पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। गोरखपुर की भूमि अनेक ऐतिहासिक एंव मध्यकालीन धरोहरों, स्मारकों/मंदिरों के साथ संपन्न है। यहाँ के प्रसिद्ध गोरखनाथ मंदिर, विष्णु मंदिर, गीता वाटिका, गीता प्रेस, चौरीचौरा शहीद स्मारक आदि आगंतुकों को आकर्षित करते हैं। अन्य देखने योग्य स्थान जैसे यहाँ का आरोग्य मंदिर इमामबाड़ा, रामगढ़ ताल, पुरातात्विक बौद्ध संग्राहालय, नक्षत्रशाला आदि पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यहाँ प्राचीन गोरखपीठ का गोरखनाथ मंदिर है। गोरक्षनाथ मंदिर गोरखपुर मंदिर में अनवरत योग साधना का क्रम प्राचीन कल से चलता रहा है। कबीर की महानिर्वाण स्थली भी इसके नजदीक है। चौरी-चौरा का शहीद स्मारक गोरखपुर के पास है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बस्ती से गोरखपुर के रास्ते संतकबीर नगर में मगहर है। जहां स्थित है कबीर का निर्वाण स्थल । कबीर की मजार और समाधि मात्र सौ फिट की दूरी पर है, जहां दूर दूर से लोग दर्शनार्थ आते हैं। मगहर में हर साल तीन बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। भगवान बुद्ध का जन्म 623 बीसी में लुम्बिनी के प्रसिद्ध बागों में हुआ था, जो प्रसिद्ध तीर्थयात्रा का स्थान है। लुम्बिनी जाने के लिए गोरखपुर रेल्वे स्टेशन सबसे नजदीक है। सड़क मार्ग द्वारा लुम्बिनी जाने के लिए गोरखपुर से ही सड़क मार्ग जुड़ा है। तरकुलहा देवी मंदिर भी गोरखपुर मार्ग से जुड़ा है, जो अपनी विशेषताओं के कारण प्रसिद्ध है। तरकुलहा देवी के मंदिर जाने के लिए नजदीकी एयरपोर्ट गोरखपुर एयरपोर्ट है। ट्रेन द्वारा गोरखपुर रेल्वे स्टेशन से तरकुलहा देवी के मंदिर जाया जाता है। सड़क मार्ग द्वारा गोरखपुर रेल्वे स्टेशन से बस, टैक्सी द्वारा तरकुलहा देवी के मंदिर को दर्शनार्थ जाया जाता है। गोरखपुर से 51 किलोमीटर पूर्व राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 28 पर कुशीनगर, एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल है जो बौद्ध धर्म के संस्थापक भगवान बुद्ध से जुड़ा हुआ है। यहाँ भगवान बुद्ध के चार पवित्र स्थानों में से एक

है। बुद्ध ने अपना अंतिम उपदेश दिया, 483 ईसा पूर्व में महापरिनिर्वाण (मोक्ष) प्राप्त किया और रामभर स्तूप में उनका अंतिम संस्कार किया गया। हवाई यात्रा करने वाले आगंतुक कुशीनगर पहुँचने के लिए गोरखपुर हवाई अड्डे की सेवा लेते हैं। रेलगाड़ी से यात्रा करने के लिए भी आगंतुकों को गोरखपुर तक रेल से सफर करना होता है। सभी पर्यटन स्थलों का केंद्र गोरखपुर है। यहाँ पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री के द्वारा राज्य सरकार पर्यटन के विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य कर रही है। उनके द्वारा राज्य सरकार अपने स्तर से बहुत सारे विकास के कार्य कर रही है लेकिन केंद्र का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। केंद्र सरकार को विशेष ध्यान देते हुये गोरखपुर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना विकसित करनी चाहिए। अयोध्या में राम मंदिर के दृष्टिकोण से भी गोरखपुर की महत्ता बढ़ गई है। गोरखपुर में हवाई अड्डा मौजूद है जहां आठ विमानों की आवाजाही है। यह देश के प्रमुख है। यह रेल लिंक से भी परे देश से जड़ा है। यहाँ हवाई अडडा व रेल संपर्क के विस्तार की जरूरत है। जब तक पर्यटन नगरी के रूप में इसे विकसित नहीं किया जाएगा, तब तक यह विश्व पटल के पर्यटन मानचित्र पर नहीं उभर सकता है। यहाँ जो भी मूलभूत सुविधायें है उसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने की आवश्यकता है। यह पर्यटन के दृष्टिकोण से आवश्यक है जिस पर केंद्र सरकार को विशेष ध्यान व सहयोग देना होगा। अंत में सदन के माध्यम से केंद्र सरकार से मांग करता हूँ कि गोरखपुर में विशेष पैकेज पर्यटन के रूप में दिया जाए और गोरखपुर को पर्यटन के रूप में विकसित करने में केंद्र अपनी अहम भूमिका निभाए।